चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 01 जुलाई 2026, अंक –299.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

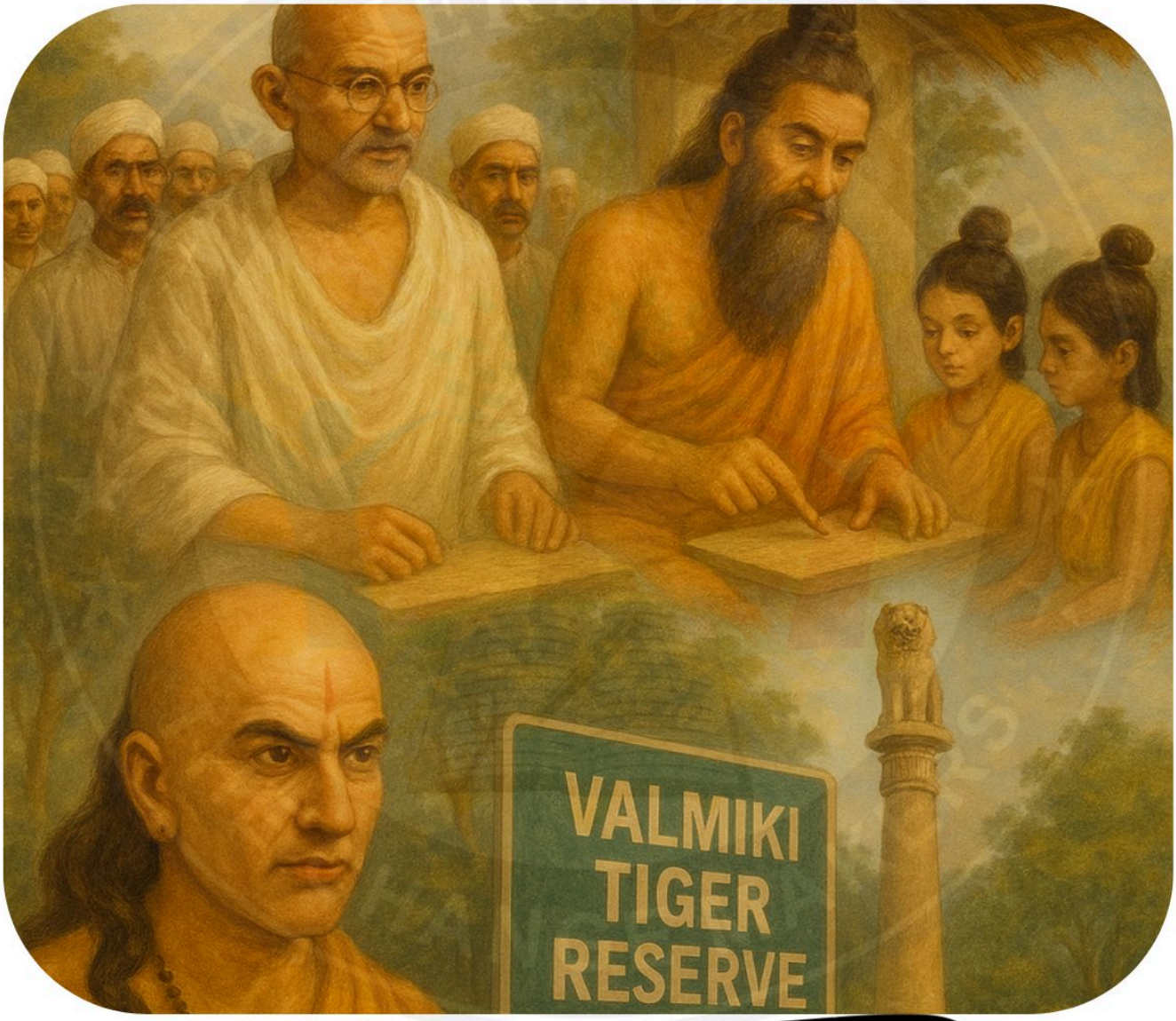

"महानता गिरने में नहीं, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।"। — कन्फ्यूशियस

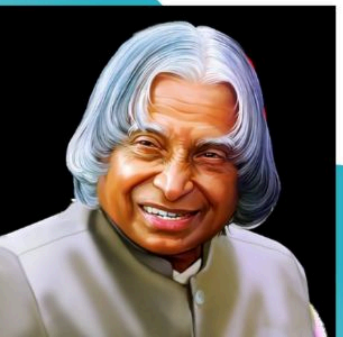

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. भूटान की मुद्रा क्या है?
उत्तर: नगुल्ट्रम
प्रश्न 2. भारत के पहले राष्ट्रपति कौन थे?
उत्तर: डॉ. राजेंद्र प्रसाद
प्रश्न 3. 'बथुकम्मा' पर्व किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर: तेलंगाना
प्रश्न 4. 12 और 18 का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) क्या है?
उत्तर: 36
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'केसरिया स्तूप' किस जिले में है?
उत्तर: पूर्वी चंपारण
प्रश्न 6. सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. स्टीम टर्बाइन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: चार्ल्स पार्सन्स
प्रश्न 8. भारत के संविधान में "समानता का अधिकार" किस अनुच्छेद से शुरू होता है?
उत्तर: अनुच्छेद 14
प्रश्न 9. 'नदी' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: सरिता
प्रश्न 10. प्रकाश संश्लेषण में पौधे किस गैस का उपयोग करते हैं?
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Wallet – (वॉलेट) – बटुआ
Key – (की) – चाबी
Lock – (लॉक) – ताला
Umbrella – (अम्ब्रेला) – छाता
Glasses – (ग्लासेज़) – चश्मा
Helmet – (हेलमेट) – सुरक्षा टोपी
Bicycle – (बाइसिकल) – साइकिल

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... सकते/सकती हैं" (They can ...)

वे पढ़ सकते हैं। – They can read.
वे लिख सकते हैं। – They can write.
वे खेल सकते हैं। – They can play.
वे गा सकते हैं। – They can sing.
वे अंग्रेज़ी बोल सकते हैं। – They can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. भारत में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (National Doctors' Day) किस प्रसिद्ध चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के द्वितीय मुख्यमंत्री की जन्म तथा पुण्यतिथि के सम्मान में मनाया जाता है?
उत्तर: डॉ. बिधान चंद्र रॉय
व्याख्या: भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस सर्वप्रथम 1991 में डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया गया, जिन्होंने चित्तरंजन कैंसर हॉस्पिटल जैसी संस्थाओं की स्थापना की थी। (YouTube) डॉ. रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ और निधन भी 1 जुलाई 1962 को हुआ था। वे पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री रहे तथा 1961 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। (YouTube) यह दिवस चिकित्सकों की समाज सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु मनाया जाता है। इस तिथि को "चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस" भी मनाया जाता है।
संदर्भ: byjus.com Facts About National Doctor's Day; PIB India; Bharat Ratna Award Records 1961.

प्र.2. भारत सरकार ने 1 जुलाई 2017 को लागू की गई किस ऐतिहासिक कर सुधार की वर्षगाँठ को "GST दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया?
उत्तर: वस्तु एवं सेवा कर (GST)
व्याख्या: भारत प्रतिवर्ष 1 जुलाई को GST दिवस मनाता है, जो देश के सबसे क्रांतिकारी आर्थिक सुधारों में से एक की शुरुआत को चिह्नित करता है। 1 जुलाई 2017 को लागू हुआ GST भारतीय बाजार को एक एकीकृत कर व्यवस्था के अंतर्गत लाया और कई अप्रत्यक्ष करों को समाहित किया। (X) GST व्यवस्था को लागू करने का विचार सर्वप्रथम केलकर टास्क फोर्स ने प्रस्तावित किया था और इसका उद्देश्य पुरानी जटिल एवं खंडित कर संरचना को सरल बनाना तथा करों के व्यापगत प्रभाव (Cascading Effect) को समाप्त करना था। (Bsdma) 2026 में GST के नौ वर्ष पूर्ण होने पर यह आर्थिक सुधार UPSC GS-III की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: GST Council, Ministry of Finance India; gstclub.in "On this Day," July 2026; pw.live

प्र.3. "गबन" उपन्यास के रचयिता कौन हैं, जो हिंदी साहित्य में "उपन्यास सम्राट" की उपाधि से सम्मानित किए गए?
उत्तर: मुंशी प्रेमचंद
व्याख्या: "गबन" (1931) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है जो मध्यवर्गीय समाज में दिखावे, लालच और भ्रष्टाचार की समस्या को केंद्र में रखकर लिखा गया। प्रेमचंद को "उपन्यास सम्राट" और "कलम का सिपाही" कहा जाता है। उनकी अन्य प्रमुख रचनाओं में "गोदान" (1936), "कर्मभूमि", "रंगभूमि" और "ईदगाह" (कहानी) सम्मिलित हैं। उनका जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के निकट लमही ग्राम में हुआ था। उन्होंने यथार्थवादी शैली में किसानों, दलितों और स्त्रियों के संघर्ष को साहित्य में स्थान दिया। हिंदी साहित्य के विकास में उनका योगदान अद्वितीय माना जाता है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — "गबन", प्रकाशन वर्ष 1931; NCERT Hindi Class 10 Sahityik Itihas; Hindi Sahitya Reference, BPSC Syllabus.

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह किस दिशा में होता है — उत्पादक से उपभोक्ता की ओर या इसके विपरीत — और इसे क्या कहा जाता है?
उत्तर: एकदिश ऊर्जा प्रवाह
व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह सदैव एकदिशीय (Unidirectional) होता है — सूर्य से उत्पादक (हरे पौधे), फिर प्राथमिक उपभोक्ता, द्वितीयक उपभोक्ता और अंत में अपघटकों की ओर। इसे "ऊर्जा प्रवाह का दशांश नियम" (10% Law) भी नियंत्रित करता है, जिसके अनुसार प्रत्येक पोषी स्तर पर ऊर्जा का केवल 10% ही अगले स्तर को स्थानांतरित होता है, शेष श्वसन और ऊष्मा के रूप में नष्ट हो जाता है। यह नियम लिंडमान ने 1942 में प्रस्तुत किया था। यही कारण है कि खाद्य श्रृंखला सामान्यतः 4-5 पोषी स्तरों तक सीमित रहती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 15 Our Environment, p. 199; NCERT Biology Class 12, Ch 14 Ecosystem, p. 234–236.

प्र.5. 1857 के विद्रोह को दबाने के पश्चात ब्रिटिश सरकार ने किस अधिनियम के द्वारा भारत का शासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त किया?
उत्तर: भारत शासन अधिनियम, 1858
व्याख्या: 1857 के विद्रोह के पश्चात ब्रिटिश संसद ने "भारत शासन अधिनियम 1858" (Government of India Act 1858) पारित किया, जिसके द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त कर भारत को सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर दिया गया। इस अधिनियम के तहत भारत मंत्री (Secretary of State for India) का पद सृजित हुआ, जो ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी था। भारत में वायसराय (Viceroy) नियुक्त किया गया — लॉर्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने। यह घटना भारतीय शासन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 5 When People Rebel, p. 67–69; Government of India Act 1858, British Parliament Records.

प्र.6. भारत की वह कौन सी प्रमुख नदी है जो तिब्बत में मानसरोवर के निकट उत्पन्न होकर अरुणाचल प्रदेश में "सियांग" और असम में "ब्रह्मपुत्र" नाम से प्रवेश करती है?

उत्तर: ब्रह्मपुत्र

व्याख्या: ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट "चेमायुंगडुंग" ग्लेशियर से होता है, जहाँ इसे "सांगपो" (Tsangpo) कहा जाता है। यह अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करते समय "सियांग" या "दिहांग" नाम से जानी जाती है और असम में "ब्रह्मपुत्र" कहलाती है। यह भारत की एकमात्र प्रमुख नदी है जो पुल्लिंग नाम (पुत्र) रखती है। बांग्लादेश में यह "जमुना" नाम से गंगा में मिलकर "पद्मा" बनाती है। यह विश्व की सबसे अधिक तीव्र गति से जल-प्रवाह वाली नदियों में से एक है और असम में प्रतिवर्ष विनाशकारी बाढ़ लाती है। माजुली, इस नदी में स्थित विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 22–24; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 3.

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत संसद को नए राज्यों के निर्माण, सीमाओं में परिवर्तन या नाम परिवर्तन का अधिकार प्राप्त है?

उत्तर: अनुच्छेद 3

व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 3, भाग-1 के अंतर्गत है और संसद को साधारण बहुमत से कानून बनाकर नए राज्यों का निर्माण, वर्तमान राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन, क्षेत्रफल में वृद्धि-कमी या राज्यों के नाम परिवर्तन का अधिकार देता है। हालाँकि ऐसा विधेयक राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से ही संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है और संबंधित राज्य विधानसभा से परामर्श अनिवार्य है (यद्यपि उसकी सहमति बाध्यकारी नहीं)। इसी अनुच्छेद के तहत 2000 में झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और 2014 में तेलंगाना का निर्माण हुआ था।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 7 Federalism, p. 125–127; Constitution of India, Article 3.

प्र.8. मानव शरीर में रक्त समूह (Blood Group) का निर्धारण किस वैज्ञानिक ने ABO पद्धति द्वारा किया था?

उत्तर: कार्ल लैंडस्टीनर

व्याख्या: ऑस्ट्रियाई वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने 1901 में ABO रक्त समूह पद्धति की खोज की, जिसके लिए उन्हें 1930 में फिजियोलॉजी/मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। मानव रक्त को लाल रक्त कणिकाओं की सतह पर उपस्थित एंटीजन के आधार पर A, B, AB और O — चार समूहों में वर्गीकृत किया जाता है। O रक्त समूह को "सार्वभौमिक दाता" (Universal Donor) और AB को "सार्वभौमिक प्राप्तकर्ता" (Universal Recipient) कहा जाता है। बाद में Rh फैक्टर (1940) की खोज से रक्त समूहों को धन (+) और ऋण (-) में भी वर्गीकृत किया गया, जो हीमोलिटिक रोग की रोकथाम में सहायक है।

Records; Physiology 1930.

प्र.9. भारत के किस राज्य का प्रसिद्ध "हॉर्नबिल महोत्सव" प्रत्येक वर्ष दिसंबर में आयोजित होता है, जिसमें विभिन्न जनजातियों की संस्कृति, नृत्य और हस्तशिल्प का प्रदर्शन होता है?

उत्तर: नागालैंड

व्याख्या: हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड का सबसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव है जो प्रतिवर्ष 1 से 10 दिसंबर तक कोहिमा के निकट किसामा हेरिटेज विलेज में आयोजित होता है। इसका नाम नागा जनजातियों के लिए पवित्र पक्षी "धनेश" (Hornbill) के नाम पर रखा गया है। इस उत्सव में नागालैंड की 16 से अधिक प्रमुख जनजातियाँ अपने परंपरागत नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प, खान-पान और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती हैं। इसे "त्योहारों का त्योहार" भी कहा जाता है। यह 2000 से आयोजित किया जा रहा है तथा पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं पर्यटन को बढ़ावा देता है।

संदर्भ: NCERT Social Science Class 7, Tribal Culture of Northeast India; Sangeet Natak Akademi Cultural Festivals Database; Nagaland Tourism Official Portal.

प्र.10. बिहार के किस ऐतिहासिक स्थल पर सम्राट अशोक का प्रसिद्ध सिंह स्तंभ (Lion Capital) स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रसार का प्रतीक है?

उत्तर: वैशाली

व्याख्या: वैशाली, बिहार में स्थित एक प्राचीन ऐतिहासिक नगर है जहाँ सम्राट अशोक ने एक सिंह स्तंभ स्थापित किया था, जो आज भी "कोल्हुआ" नामक स्थान पर स्थित है। वैशाली लिच्छवि गणराज्य की राजधानी थी और इसे विश्व के प्राचीनतम गणतंत्रों में गिना जाता है। यहीं भगवान बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश दिया था और द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ईपू) का आयोजन हुआ था। भगवान महावीर का जन्म स्थान भी वैशाली के निकट कुंडग्राम माना जाता है। यह स्थान जैन और बौद्ध दोनों धर्मों के लिए तीर्थस्थल है।

संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 8 Ashoka the Emperor, p. 99; NCERT Class 12, Theme 4 Thinkers Beliefs and Buildings, p. 92; Bihar Tourism Official Portal.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, विद्यालय में वज्रपात की चेतावनी मिलने पर खेल के मैदान में खेल रहे बच्चों को सबसे पहले किस क्रम में कार्य करना चाहिए?
उत्तर: खेल रोकें, इमारत में जाएँ
व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम में वज्रपात सुरक्षा के लिए बच्चों को "30-30 नियम" सिखाया जाता है — यदि बिजली चमकने और गर्जन सुनाई देने के बीच 30 सेकंड से कम का अंतर हो, तो खतरा निकट है। ऐसी स्थिति में खेल के मैदान में खेल रहे बच्चों को तुरंत सभी खेल गतिविधियाँ रोकनी चाहिए और बिना देरी किए विद्यालय की पक्की इमारत के भीतर चले जाना चाहिए। मैदान में बिखरकर या दौड़ते हुए न जाएँ — समूह में व्यवस्थित ढंग से जाना सुरक्षित है। अंतिम गर्जन के 30 मिनट बाद ही बाहर निकलना चाहिए। शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को आपदा से पहले यह प्रशिक्षण दे।
संदर्भ: BSDMA Vidyalaya Suraksha Karyakram — Vajrapat Module, June W4; bsdma.org; Bihar Disaster Management Teacher Training Manual 2025

प्र.12. एक कक्षा में 40 छात्र हैं। शिक्षक ने पहली पंक्ति से गिनती शुरू की — पहले छात्र का नंबर 1, दूसरे का 2, इसी क्रम में। यदि हर तीसरे नंबर के छात्र को पुरस्कार मिलता है, तो कुल कितने छात्रों को पुरस्कार मिलेगा और 39वें नंबर का छात्र पुरस्कार पाएगा या नहीं?
उत्तर: 13 छात्र; हाँ (39 ÷ 3 = 13)
व्याख्या: 1 से 40 तक के बीच जो संख्याएँ 3 से पूर्णतः विभाज्य हों: 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27, 30, 33, 36, 39 — कुल 13 संख्याएँ। अतः 13 छात्रों को पुरस्कार मिलेगा। 39वाँ छात्र — 39 ÷ 3 = 13 (शेषफल 0) — अतः हाँ, उसे भी पुरस्कार मिलेगा। यह प्रश्न विभाज्यता नियम (Divisibility Rule of 3) पर आधारित है: यदि किसी संख्या के अंकों का योग 3 से विभाज्य हो, तो वह संख्या भी 3 से विभाज्य होती है। 3+9=12, 12÷3=4 — अतः 39 भी 3 से विभाज्य है। इस प्रकार के प्रश्न संख्या-पद्धति और गणितीय सोच विकसित करने में सहायक हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 3 Playing with Numbers — Divisibility Rules, p.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

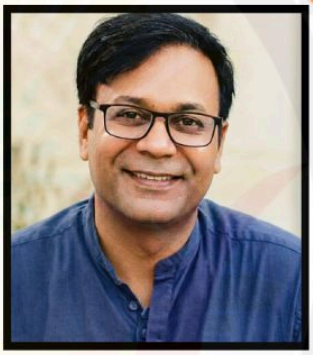

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abhor (अब्हॉर) = Hate (हेट) = घृणा करना
Antonym – Admire (एडमायर) = प्रशंसा करना
Bolster (बोल्स्टर) = Strengthen (स्ट्रेंथेन) = मजबूत करना / बढ़ावा देना
Antonym – Weaken (वीकन) = कमजोर करना
Commence (कमेन्स) = Begin (बिगिन) = प्रारंभ करना
Antonym – Conclude (कन्क्लूड) = समाप्त करना
Deterioration (डिटीरियोरेशन) = Decline (डिक्लाइन) = गिरावट / बिगड़ना
Antonym – Improvement (इम्प्रूवमेंट) = सुधार
Evasive (इवेसिव) = Avoiding (अवॉइडिंग) = बचने वाला / टालमटोल करने वाला
Antonym – Direct (डायरेक्ट) = सीधा / स्पष्ट

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Rajnath Singh Releases Delegation of Financial Powers to DRDO (DFP-2026)
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने DRDO को वित्तीय शक्तियों के नए प्रत्यायोजन ढाँचे (DFP-2026) का अनावरण किया; आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मज़बूती।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 29 जून 2026 को DRDO को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन (DFP-2026) जारी किया, जो रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की दक्षता, जवाबदेही और समयबद्ध क्रियान्वयन बढ़ाने वाला एक बड़ा सुधार है। इससे रक्षा बलों में प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और तकनीकों के तेज़ उत्पादन एवं समावेशन में सहायता मिलेगी तथा उद्योग व शिक्षा जगत के साथ सहयोग मज़बूत होगा।

2. MoSPI Celebrates 20th Statistics Day, Honouring Prof. P.C. Mahalanobis
हिन्दी अनुवाद: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मनाया 20वाँ सांख्यिकी दिवस; प्रशासनिक डेटा के उपयोग पर ज़ोर।
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने 29 जून 2026 को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 20वाँ सांख्यिकी दिवस मनाया, जो प्रसन्त चंद्र महालनोबिस (जन्म: 29 जून 1893) — भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संस्थापक — की 133वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम थी — "प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना" — जो आवधिक सर्वेक्षणों से रियल-टाइम प्रशासनिक डेटा की ओर बदलाव दर्शाती है।

3. PM Modi Concludes Seychelles Visit, Receives 'Guardian of the Blue Horizon' Award
हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा संपन्न; पर्यावरण संरक्षण हेतु 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइज़न' सम्मान से सम्मानित।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स यात्रा के दौरान भारत-सेशेल्स साझेदारी को सुदृढ़ करते हुए संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया तथा सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की उपस्थिति में सेशेल्स तटरक्षक बेस पर फास्ट पैट्रोल वेसल और एम्बुलेंस सौंपे। प्रधानमंत्री को पर्यावरण संरक्षण व सतत विकास में नेतृत्व के लिए सेशेल्स के सर्वोच्च सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइज़न' से सम्मानित किया गया।

INTERNATIONAL NEWS

1. Venezuela Earthquake Death Toll Crosses 1,700; US Marines Deployed to Reopen Port
हिन्दी अनुवाद: वेनेज़ुएला भूकंप: मृतक संख्या 1,700 पार; अमेरिकी मरीन्स बंदरगाह खोलने हेतु तैनात।
वेनेज़ुएला में 24 जून को आए जुड़वाँ भूकंपों से मृतकों की संख्या 1,700 से अधिक हो गई है। (NPR) लगभग 130 अमेरिकी मरीन्स ला गुआयरा बंदरगाह को फिर से खोलने के लिए पहुँच रहे हैं ताकि समुद्री मार्ग से राहत सामग्री और भारी उपकरण सबसे प्रभावित क्षेत्रों तक पहुँचाए जा सकें। 300 से अधिक अमेरिकी बचावकर्मी पहले से मलबे में खोज में जुटे हैं।

2. UK Prime Minister Keir Starmer Resigns Amid Political Turmoil
हिन्दी अनुवाद: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का इस्तीफा; राजनीतिक संकट गहराया।
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे ब्रिटिश राजनीति में बड़ी हलचल मच गई है।

3. US-Iran Tensions Continue: Officials Head to Qatar for Renewed Peace Talks
हिन्दी अनुवाद: अमेरिका-ईरान तनाव जारी: शांति वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारी कतर रवाना।
अमेरिकी अधिकारी ईरान के साथ नए सिरे से शांति वार्ता के लिए कतर रवाना हो रहे हैं, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में स्थिति अब भी अस्थिर बनी हुई है। (WORLD)
हिन्दी अनुवाद (विस्तार): इसी बीच, अमेरिका-ईरान युद्ध की शुरुआत के बाद पहली बार भारतीय बास्केट के लिए कच्चे तेल की आयात लागत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है, हालाँकि घरेलू कंपनियों के पुराने घाटे के कारण भारतीय उपभोक्ताओं को पेट्रोल-डीज़ल में राहत मिलने की संभावना फिलहाल कम है।

BIHAR NEWS

1. Khan Sir Bail Case: Crucial Hearing in Patna District Court Today

हिन्दी अनुवाद: प्रसिद्ध शिक्षक 'खान सर' (फैजल खान) मामले में पटना जिला कोर्ट में आज अहम सुनवाई; गार्ड्स के हथियार लाइसेंस पर भी विवाद।

फैजल खान उर्फ खान सर मामले में आज पटना जिला जज की कोर्ट में बड़ी सुनवाई होगी, जिसमें पुलिस द्वारा पेश की गई अपडेटेड केस डायरी पर बहस होगी और जमानत पर अंतिम फैसला आएगा। पुलिस के अनुसार खान सर के दो सुरक्षा गार्डों में से एक के पास हथियार का बिहार में वैध परमिट नहीं था, जिससे मामला और जटिल हो सकता है।

2. Patna Schools (Up to Class 8) to Remain Closed Till 30 June Due to Severe Heatwave

हिन्दी अनुवाद: भीषण लू के कारण पटना में कक्षा 8 तक के स्कूल 30 जून तक बंद; जिला प्रशासन का सुरक्षा संबंधी निर्णय।

पटना में लगातार बढ़ती गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने 22 जून से 30 जून 2026 तक कक्षा 8 तक के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा प्री-स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया, ताकि छोटे बच्चों को लू और गर्मी से जुड़ी बीमारियों से बचाया जा सके।

SPORTS NEWS

1. World Cup Shocker: Paraguay Stuns Germany on Penalties; Brazil Edges Past Japan

हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप उलटफेर: पैराग्वे ने पेनल्टी पर जर्मनी को हराया; ब्राज़ील ने जापान को आखिरी पल में हराया।

29 जून को ब्राज़ील ने जापान को 2-1 से हराया, जबकि जर्मनी और पैराग्वे का मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद पैराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज की। (Yahoo Sports) यह 1992 के बाद से रैंकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद नॉकआउट चरण का चौथा सबसे बड़ा उलटफेर है — पैराग्वे विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर है जबकि जर्मनी 10वें स्थान पर।

2. Morocco Eliminate Netherlands on Penalties to Reach Round of 16

हिन्दी अनुवाद: मोरक्को ने नीदरलैंड्स को पेनल्टी पर हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

मोरक्को ने नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। मोरक्को ने दोनों विश्व कप पेनल्टी शूटआउट जीते हैं, जिनमें 2022 में स्पेन के विरुद्ध जीत भी शामिल है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

💡 आज का ज्ञान, कल की सफलता की नींव है।

निरंतर अध्ययन करते रहें — सफलता अवश्य मिलेगी।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

सेवा का सम्मान

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस विशेष

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज मालती मैडम ने बच्चों से पूछा, "बच्चों, यदि अचानक कोई बीमार पड़ जाए, तो सबसे पहले किसकी याद आती है?"

सभी बच्चों ने एक स्वर में उत्तर दिया—"डॉक्टर!"

मालती मैडम ने कहा, "इसीलिए भारत में प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह महान चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र राय की स्मृति में मनाया जाता है। वे केवल एक कुशल डॉक्टर ही नहीं, बल्कि एक महान शिक्षाविद् और समाजसेवी भी थे। यह दिवस हमें डॉक्टरों के समर्पण, सेवा और मानवता के प्रति उनके योगदान का सम्मान करना सिखाता है।"

तभी अजय ने पूछा, "मैडम, क्या डॉक्टरों का सम्मान करना इतना जरूरी है?"

मालती मैडम ने गंभीर स्वर में कहा, "हाँ बेटा। डॉक्टर दिन-रात लोगों की जान बचाने का प्रयास करते हैं। कई बार वे स्वयं भोजन, आराम और अपने परिवार की चिंता किए बिना मरीजों की सेवा करते हैं।"

फिर उन्होंने एक घटना सुनाई।

"कुछ समय पहले एक अस्पताल में एक मरीज की हालत बहुत गंभीर थी। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दुख और गुस्से में कुछ लोगों ने डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया और अस्पताल में हंगामा करने लगे। यह बहुत दुखद था, क्योंकि डॉक्टर अपनी पूरी क्षमता और ईमानदारी से मरीज को बचाने का प्रयास कर रहे थे।"

मालती मैडम ने आगे कहा, "कोविड-19 महामारी के कठिन समय को याद करो। जब अधिकांश लोग अपने घरों में सुरक्षित थे, तब हजारों डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी दिन-रात अस्पतालों में डटे रहे। अनेक डॉक्टर अपने कर्तव्य का पालन करते हुए स्वयं संक्रमित हुए और कई ने अपने प्राण भी न्योछावर कर दिए। उन्होंने अपने जीवन से ऊपर मानवता को रखा।"

पूरी कक्षा में सन्नाटा छा गया।

मालती मैडम ने कहा, "बच्चों, डॉक्टर भगवान नहीं होते, लेकिन वे अपनी पूरी मेहनत और ज्ञान से जीवन बचाने का हर संभव प्रयास करते हैं। इसलिए हमें उनका सम्मान करना चाहिए, उनके साथ धैर्य और शिष्टाचार से व्यवहार करना चाहिए।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे डॉक्टरों, नर्सों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों का सदैव सम्मान करेंगे और उनके सेवा-भाव के प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

संदेश : "डॉक्टर का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सम्मान है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

सहकारी अधिगम और सहपाठी शिक्षण — अकेले नहीं, मिलकर सीखेंगे

शिक्षक साथियों, पारंपरिक कक्षाओं में अक्सर बच्चों के बीच एक अनकही 'प्रतिस्पर्धा' (Competition) होती है — "मुझे उससे आगे निकलना है" या "मुझे सबसे ज़्यादा अंक लाने हैं।" लेकिन आधुनिक बाल मनोविज्ञान और जॉन डीवी जैसे शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि शिक्षा का असली उद्देश्य समाज में सहयोग करना सिखाना है। सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) इसी विचार पर काम करता है, जहाँ बच्चे केवल अपने लिए नहीं सीखते, बल्कि अपने समूह के बाकी साथियों को भी सिखाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसी का एक खूबसूरत रूप है सहपाठी शिक्षण (Peer Teaching), जहाँ कक्षा का ही कोई छात्र किसी विषय में अपने सहपाठी की मदद करता है।

शिक्षण के इस तरीके में शिक्षक की भूमिका एक 'कमांडिंग ऑफिसर' की नहीं, बल्कि एक 'ऑर्केस्ट्रा डिरेक्टर' की होती है। शिक्षक पृष्ठभूमि में रहकर समूहों का निर्माण करता है और यह सुनिश्चित करता है कि समूह में हर स्तर के बच्चे (तेज़ सीखने वाले और धीमे सीखने वाले) शामिल हों। जब बच्चे हमउम्र साथियों से सीखते हैं, तो उनके बीच का डर या झिझक पूरी तरह समाप्त हो जाती है। वे उस भाषा और लहजे में बात करते हैं जो शायद एक शिक्षक के लिए मुमकिन न हो। इससे न केवल धीमे सीखने वाले बच्चों का स्तर सुधरता है, बल्कि जो बच्चा 'पढ़ा' रहा है, उसका अपना ज्ञान भी बहुत गहरा हो जाता है।

उदाहरण:

आइए इसे गणित की कक्षा के एक बहुत ही व्यावहारिक दृश्य से समझते हैं। मान लीजिए आप कक्षा 5 के बच्चों को 'भिन्नों का जोड़' (Addition of Fractions) सिखा रहे हैं। आपने बोर्ड पर नियम समझा दिए, लेकिन 5-6 बच्चे ऐसे हैं जिन्हें अवधारणा स्पष्ट नहीं हो पाई और वे हिचकिचाहट के कारण दोबारा पूछ नहीं रहे हैं।

- पारंपरिक तरीका: शिक्षक उन कमजोर बच्चों को अलग से बुलाकर डांटे या बार-बार बोर्ड पर समझाए, जिससे बाकी कक्षा ऊबने लगे।
- सहकारी अधिगम का तरीका: आप कक्षा को 4-4 बच्चों के 'मिश्रित समूहों' (Mixed Groups) में बांट देते हैं। हर समूह में एक ऐसा बच्चा है जो गणित में बहुत अच्छा है और एक ऐसा बच्चा है जिसे थोड़ी कठिनाई होती है। अब आप प्रत्येक समूह को एक वर्कशीट देते हैं और नियम रखते हैं— "कोई भी समूह तब तक विजेता नहीं माना जाएगा, जब तक उसके चारों सदस्य सभी सवालों को हल करके एक-दूसरे को समझा न दें।"

अब आप देखेंगे कि जो बच्चा गणित में तेज़ था, वह अपने साथी के पास बैठकर उसे कागज़ के टुकड़े या कंकड़ों के माध्यम से 'आधा' (1/2) और 'चौथाई' (1/4) का अंतर समझाने लगेगा। वह धीमा बच्चा भी अपने दोस्त से बिना झिझक के दस बार पूछेगा। जब वह धीमा बच्चा सवाल हल कर लेगा, तो पूरे समूह में जीत का उल्लास होगा। यहाँ बच्चों ने केवल गणित नहीं सीखा, बल्कि उन्होंने 'सहानुभूति', 'धैर्य' और 'टीम वर्क' का सबसे बड़ा जीवन-मूल्य सीख लिया।

शिक्षक साथियों, इस विधि का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षक के कार्यभार को थोड़ा कम करती है और कक्षा में अनुशासन की समस्या को स्वतः हल कर देती है क्योंकि सभी बच्चे एक साझा लक्ष्य को प्राप्त करने में व्यस्त होते हैं। यह रणनीति हमारी समावेशी कक्षा (Inclusive Classroom) के निर्माण में सबसे बड़ा हथियार है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें अपनी कक्षा को 'अकेली दौड़ने वाली रेस' से बाहर निकालकर 'एक सामूहिक यात्रा' बनाना होगा। जब बच्चे एक-दूसरे के शिक्षक बनते हैं, तो कक्षा का हर कोना ज्ञान से चमक उठता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा के तेज़ बच्चे दूसरों की मदद करने में गर्व महसूस करते हैं? क्या आप कल अपनी कक्षा में ऐसे छोटे-छोटे 'सहयोगी समूह' बना सकते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : वैशाली, अंक–2"

वैशाली: विश्व का प्रथम लोकतंत्र, महावीर की ज्ञान-ऊर्जा और बुद्ध का महापरिनिर्वाण पथ

'संपादकीय' ✍️

वैशाली का इतिहास किसी एक कालखंड या साम्राज्य की सीमाओं में नहीं बंधा है, बल्कि यह वह वैश्विक चौराहा है जहाँ मानव सभ्यता ने सबसे पहले 'लोकतंत्र' और 'गणतंत्र' के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में जिया। ईसा पूर्व छठी शताब्दी में यहाँ क्रियाशील लिच्छवी और वज्जी संघ विश्व का पहला ऐसा शासन तंत्र था, जहाँ सत्ता किसी एक राजा के हाथों में केंद्रित न होकर जनप्रतिनिधियों की 'संस्थागार' (Assembly) द्वारा संचालित होती थी। राजा विशाल का गढ़ और अभिषेक पुष्करणी (वह पवित्र सरोवर जिसके जल से निर्वाचित राजाओं का राज्याभिषेक होता था) आज भी उस उन्नत लोकतांत्रिक अभियांत्रिकी के पुरातात्विक साक्ष्य हैं। यह भूमि यह सिद्ध करती है कि जब आज का आधुनिक विश्व लोकतांत्रिक मूल्यों से अपरिचित था, तब वैशाली की मिट्टी में समानता और सामूहिक निर्णय के बीज अंकुरित हो चुके थे।

आध्यात्मिक और दार्शनिक क्रांति के धरातल पर वैशाली संपूर्ण विश्व के लिए अद्वितीय है। यह जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्मस्थली (कुंडग्राम) है। महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह और 'अनेकांतवाद' (वैचारिक उदारता) का जो वैश्विक संदेश दिया, उसकी ज्ञान-ऊर्जा आज भी वैशाली के कण-कण में रची-बसी है। इसके समानांतर, यह भूमि महात्मा बुद्ध की अत्यंत प्रिय स्थली रही, जहाँ उन्होंने अपना अंतिम उपदेश दिया था और अपनी आसन्न मृत्यु (महापरिनिर्वाण) की घोषणा की थी। बुद्ध द्वारा भिक्षुणी संघ की स्थापना कर महिलाओं को आध्यात्मिक अधिकार देने की क्रांतिकारी घटना यहीं कुटागारशाला में घटी थी। सम्राट अशोक द्वारा निर्मित कोलहुआ का अशोक स्तंभ, जिसके शीर्ष पर स्थित सिंह का मुख बुद्ध की अंतिम यात्रा (कुशीनगर) की ओर है, और यहाँ का आनंद स्तूप मौर्यकालीन वास्तुकला तथा बौद्ध दर्शन के स्वर्णिम युग को अंतरराष्ट्रीय पटल पर प्रमाणित करते हैं।

आधुनिक इतिहास की कड़ियों को जोड़ें तो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैशाली की क्रांतिकारी चेतना और अधिक प्रखर होकर उभरी। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान हाजीपुर, महनार और लालगंज के क्षेत्रों में राष्ट्रवाद की एक अभूतपूर्व लहर देखी गई। स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी और जन-नायक बाबू अक्षयवट राय ने जिस अदम्य साहस से गांधी जी के रचनात्मक कार्यक्रमों को गाँव-गाँव पहुँचाया और भूमिगत क्रांतिकारियों की मदद की, वह आज भी चंपारण-तिरहुत के इतिहास का एक गौरवशाली पन्ना है। उनके साथ ही योगेंद्र शुक्ल और बैकुंठ शुक्ल जैसे महान क्रांतिकारियों की कर्मभूमि यह जिला रहा, जिन्होंने 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HSRA) के बैनर तले ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी। बैकुंठ शुक्ल द्वारा देशद्रोही फणींद्रनाथ घोष का वध करना और हँसते-हँसते फांसी के फंदे को चूमना, वैशाली के अदम्य साहस का प्रतीक है।

साहित्य, मेधा और विचार के क्षेत्र में वैशाली का योगदान वैश्विक रहा है। हिंदी के महापंडित आचार्य चतुरसेन शास्त्री का प्रसिद्ध उपन्यास 'वैशाली की नगरवधू' इसी मिट्टी के ऐतिहासिक वैभव और सांस्कृतिक द्वंद्व का एक जीवंत साहित्यिक दस्तावेज़ है। समकालीन कला और रंगमंच के क्षेत्र में यहाँ की 'बज्जिका लोक-कला' और पारंपरिक नाटक विधाओं ने ग्रामीण संवेदनाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है। इस जिले ने आधुनिक भारत को कई उच्च कोटि के राजनेता, शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी दिए हैं, जिन्होंने वैशाली की बज्जी चेतना और तार्किक क्षमता का लोहा हर स्तर पर मनवाया है।

अंततः, वैशाली का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ की मिट्टी केवल भूगोल का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय अधिकारों, अहिंसा और स्वतंत्रता की वैश्विक धरोहर है। लिच्छवियों की लोकतांत्रिक संस्थागार हो, महावीर की अहिंसा हो, बुद्ध का करुणा-पथ हो या शुक्ल बंधुओं का क्रांतिकारी बलिदान—ये सभी तत्व मिलकर वैशाली को मानव इतिहास का एक शाश्वत तीर्थ बनाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से इन स्थानीय क्रांतियों, पुरातात्विक साक्ष्यों और दार्शनिक कड़ियों का यह सघन व प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण भारतीय इतिहास और राजनीतिक चेतना के विकास को समझने की एक अचूक और तार्किक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 **-9939671700**

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org